



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 10, 2018/आषाढ़ 19, 1940

No. 236]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 10, 2018/ASHADHA 19, 1940

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2018

सं. पुविमं/41/01/2018-स्था.—जबकि, दिनांक 1 सितंबर, 1998 के संकल्प सं डीओडी/18/4/98-स्था. के माध्यम से भारत सरकार द्वारा महासागर विकास विभाग के तहत अंटार्कटिक और समुद्र से संबंधित परियोजनाएं, अनुसंधान और विकास करने के लिए गोवा स्थित इसके विद्यमान संबद्ध कार्यालय को एक स्वायत्तशासी पंजीकृत सोसाइटी के रूप में बदलते हुए अंटार्कटिक अध्ययन केंद्र (एएससी) की स्थापना करने का निर्णय लिया गया।

और जबकि, मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी की गई दिनांक 16 फरवरी, 2006 की राष्ट्रपति की अधिसूचना सं. सीडी/87/2006 के माध्यम से भारत सरकार (कार्य का आवंटन) के नियम, 1961 में संशोधन करते हुए महासागर विकास विभाग को महासागर विकास मंत्रालय का नाम दिया गया;

और जबकि, तत्पश्चात मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी की गई दिनांक 12 जुलाई, 2006 की राष्ट्रपति की अधिसूचना सं. सीडी-384/2006 के माध्यम से भारत सरकार (कार्य का आवंटन) के नियम, 1961 में संशोधन करते हुए महासागर विकास मंत्रालय को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का नाम दिया गया ;

और जबकि, राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र की शासी परिषद ने 13 सितंबर, 2017 को हुई इसकी 36 वीं (छत्तीसवीं) बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आर्कटिक, अंटार्कटिक, हिमालयी और समुद्र से संबंधित परियोजनाएं, अनुसंधान और विकास करने के लिए राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीएओआर) का नाम बदल कर राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) करने को सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन प्रदान कर दिया है। माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीएओआर), गोवा का नाम बदल कर राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), गोवा करने को अनुमोदन प्रदान कर दिया है;

अतः अब, सक्षम प्राधिकारी द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के स्वायत्तशासी संस्थान राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीएओआर) का नाम बदल कर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के स्वायत्तशासी संस्थान "राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर)", गोवा के रूप में तत्काल प्रभाव से अधिसूचित किया जाता है।

डॉ. विपिन चन्द्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF EARTH SCIENCES

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th July, 2018

No. MoES/41/01/2018-Estt.—WHEREAS *vide* Resolution No.DOD/18/4/98-Estt. dated 1st September, 1998 Government of India has decided to set up the Antarctic Study Centre (ASC) as an autonomous Registered Society by converting its present attached office at Goa for undertaking projects, Research & Development related to the Antarctic and Ocean under the Department of Ocean Development;

AND WHEREAS, *vide* Presidential Notification No.CD-87/2006 dated 16th February, 2006 issued by Cabinet Secretariat amending the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, the Department of Ocean Development was named as Ministry of Ocean Development;

AND WHEREAS subsequently, *vide* Presidential Notification No.CD-384/2006 dated 12th July, 2006 issued by Cabinet Secretariat amending the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, the Ministry of Ocean Development was named as Ministry of Earth Sciences;

AND WHEREAS, the Governing Council for National Centre for Antarctic and Ocean Research in its 36th (Thirty Sixth) meeting held on 13th September, 2017 approved in principle to change the name of National Centre for Antarctic and Ocean Research (NCAOR) to National Centre for Polar and Ocean Research (NCPOR) for undertaking projects, Research & Development related to the Arctic, Antarctic, Himalayan and Ocean under the Ministry of Earth Sciences. The Hon'ble Minister for S&T and Earth Sciences has approved the renaming of National Centre for Antarctic and Ocean Research (NCAOR), Goa to National Centre for Polar and Ocean Research (NCPOR), Goa;

NOW, THEREFORE, the competent authority notify the renaming of National Centre for Antarctic and Ocean Research (NCAOR), Autonomous Institute, Ministry of Earth Sciences (MoES) as **National Centre for Polar and Ocean Research (NCPOR)**, Goa, Autonomous Institute, Ministry of Earth Sciences (MoES) with immediate effect.

Dr. VIPIN CHANDRA, Jt. Secy.